संकलित मूल्यांकन दृ ८

केन्द्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग

सत्र 2015–16

कक्षा– दसम्

विषय : हिन्दी

समय– 3 घंटे। पूर्णांक–90

निर्देशः– 1. इस प्रश्न–पत्र के चार खंड है।– क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क' (20 अंक)

1. प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनक लिखिए।

1ग5त्र5

साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिल्कुल अकेला होने पर भी मग्न रहता है। अर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान् निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, जिंदगी की चुनौती को कुबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता। बड़े मौके पर साहस नहीं दिखाने वाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज सुनता रहता है। एक ऐसी आवाज जिसे वही सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नहीं सकता। वह आवाज उसे बराबर कहती रहती है, 'तुम साहस नहीं दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खेड़ हुए'। सांसारिक अर्थ में जिसे सुख कहते हैं, उसका न मिलना, कहीं अधिक श्रेष्ठ है कि मरने के समय हम अपनी आत्मा से यह धिक्कार सुने कि तुममें हिम्मत की कमी थी, कि तुममें साहस का अभाव था, कि तुम ठीक वक्त पर जिंगगी से भाग खड़े हुए।

I. साहसी मनुष्य क्या उधार नहीं लेता?

(क) किताब (ख) सपने

(ग) कोई भी वस्तु (घ) पैसे

II. वास्तव में जिंदगी को ठीक से जीना क्या है?

(क) हमेशा ही जोखिम झेलना

(ख) हिम्मत से काम लेना

(ग) सत्य एवं अहिंसा का पालन करना

(घ) समाज के सभी मनुष्यों का ध्यान रखना।

III. किन लोगों को अपनी आत्मा से यह धिक्कार सुनना पड़ता है कि तुम में साहस का अभाव था, तुम ठीक वक्त पर जिंदगी से भाग खड़े हुए?

(क) सांसारिक अर्थ में सुख प्राप्त नहीं करने वालों को

(ख) अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करने वालों को

(ग) किसी असहाय की सहायता नहीं करने वलों को

(घ) जिंदगी की चुनौती को स्वीकार नहीं करने वालों को

IV. प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उचित शिर्षक क्या होगा?

(क) मनुष्य का कर्त्तव्य (ख) साहसी मनुष्य

(ग) कर्त्तव्यनिष्ठा (घ) सफलता का सार

V. 'साहसी' शब्द में प्रत्यय है–

(क) ई (ख) हसी

(ग) सी (घ) ई

2. प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए।कला के क्षेत्र में हमारा दृष्टिकोण मुक्त होना चाहिए। कवि के लिए जो प्रथम और अंतिम बंधन हो सकता है, वह केवल इतना ही है कि कवि अपने 1X5=5

आपके प्रति पूर्ण रूप से ईमानदार रहे। समन्वय कला की सुंदरता का मूल है। जिस प्रकार आकाश में विचरण करने वाले कलाकार को पैरों के नीचे वाली मिट्टी का ध्यान रखना आवश्यक है, उसी प्रकार मिट्टी को सर्वस्व समझ लेने वाले कलाकार को याद रखना आवश्यक है कि उसका विहार–स्थल आकाश भी है। जिस प्रकार फूलों और नदियों के पास केवल रसानुभूति के उद्देश्य से जाना होता है, उसी प्रकार जीवन के

अन्य क्षेत्रों से भी वह रस ही प्राप्त करता है। हम पूरे दायित्व के साथ कहना चाहते हैं कि पेट की पीड़ा की अनुभूति लिखने वाला कवि किसी प्रकार भी प्रेम का अनुभूति लिखने वालों से कम नहीं है।

I. किसी भी कवि के लिए प्रथम और अंतिम बंधन क्या हो सकता है?

(क) कला (ख) मुक्त दृष्टिकोण

(ग) स्वयं के प्रति पूर्ण ईमानदारी (घ) समनव्य

II. गद्यांश के अनुसार कला की सुंदरता का मूल क्या है?

(क) समन्वय (ख) ईमानदारी

(ग) स्वच्छंदता (घ) विचारधारा

III. आकाश में विचरने वालों के लिए पैरों के नीचे की मिट्टी और मिट्टी को सर्वस्व समझने वालों के लिए आकाश को याद रखना आवश्यक है। यह कथन किसके लिए कहा गया है?

(क) कवि के लिए (ख) लेखक के लिए

(ग) कलाकार के लिए (घ) वैज्ञानिक के लिए

IV. एक कलाकार जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों से क्या प्राप्त करता है?

(क) उत्तरदायित्व (ख) अनुभूति

(ग) विचाारधारा (घ) रस

V. 'रसानुभूति' शब्द का संधि–विच्छेद क्या है?

(क) रस + अनुभूति (ख) रसा+अनुभूति

(ग) रसा+नुभूति (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

3. प्रस्तुत काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1X5=5

क्षमा शोभती उस भुजंग को अनुनय के प्यारे–प्यारे
जिसके पास गरल हो। उत्तर में जब एक नाद भी
उसको क्या, जो दंतहीन उठा नहीं सागर से।
विषहीन विनीत सरल हो। उठी अधीर धधक पौरूष की
तीन दिवस एक पंथ मॉगते आग राम के शर से।
रघुपति सिंधु किनारे, सिंधु देह धर 'त्राहि–त्राहि'

बैठे पढ़ते रहे छंद करता आ गिरा शरण में,

चरण पूज, दास्ता ग्रहण की,

बँधा मूढ़ बंधन में।

सच पूछो, तो शर में ही

बसती है दीप्ति विनय की,

संधि–वचन संपूज्य उसी का

जिससे शक्ति विजय की।

I. क्षमा किस व्यकित को शोभा देती है?

(क) सामर्थ्यवान व्यक्ति को (ख) क्रोधी व्यक्ति को

(ग) बुद्धिमान व्यक्ति को (घ) बहादुर व्यक्ति को

II. रघुपति सिंधु के किनारे कितने दिनों तक प्रार्थना करते रहे?

(क) दो दिनों तक (ख) तीन दिनों तक

(ग) सात दिनों तक (घ) स्पष्ट नहीं

III. कवि के अनुसार, विनय की दीप्ति किसमें बसती है?

(क) सिंधु में (ख) रघुपति में

(ग) शर में (घ) विषहीन में

IV. प्रस्तुत काव्यांश में प्रयुक्त शब्द 'शर' का क्या अर्थ है?

(क) सिर (ख) तलवार

(ग) तालाब (घ) तीर

V. प्रस्तुत काव्यांश का केंद्रीय भाव क्या है?

(क) सामर्थ्य एवं शक्ति रखने वाले को ही विनम्रता शोभा देती है

(ख) सामर्थ्यवान व्यक्ति विनत होता है

(ग) शक्तिशाली व्यक्ति प्रार्थना नहीं करता

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

4. प्रस्तुत काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1X5=5

बार–बार आती है मुझको
मधुर याद बचपन तेरी।
गया, ले गया तू जीवन की
सबसे मस्त खुशी मेरी।
चिंता–रहित खेलना खाना,
वह फिरना निर्भर स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है
बचपन का अतुलित आनंद।
ऊँच–नीच का ज्ञान नहीं था,
छुआ–छूत किसने जानी।
बनी हुई थी आह, झोंपड़ी
और चीथडों में रानी।
किए दूध के कुल्ले मैंने
चूस अँगूठा सुधा पिया।
किलकारी कल्लोल मचाकर
सूना घर आबाद किया।

(6)

I. रचनाकार को किसी याद आती है?

(क) मस्ती की (ख) स्वच्छंदता की

(ग) बचपन की (ङ) चिंतामुक्त रहने की

II. बचपन का आनंद किस प्रकार का अनंद है?

(क) अनंत आनंद (ख) अतुलित आनंद

(ग) परम आनंद (घ) चरम आनंद

III. प्रत्येक व्यक्ति का बचपन निम्न में से किसे नहीं जानता?

(क) स्चच्छंता (ख) खेलना–कूदना

(ग) चिंता रहित होना (घ) ऊँच–नीच का भेद

IV. 'सुधा' शब्द का समानार्थी शब्द कौन सा है?

(क) दूध (ख) अमृत

(ग) पानी (घ) मधु

V. किए दूध के कुल्ले मैंने, चूस अँगूठा सुधा पिया पंक्ति से क्या आशय है?

(क) बच्चों के दूध पीने एवं अँगूठा चूसने की प्रवृत्ति

(ख) बच्चों के मुँह धोए बिना दूध पीने की आदत

(ग) बच्चों द्वारा मुँह में दूध भरकर फेंकना

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

खंड 'ख'

5. निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए? 1X3=3

(i) पिताजी ने मुझे पढ़ाकर सेना में भर्ती कराया।

(संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए)।

(ii) जो परिश्रमी होती हैं, वे सदैव सुखी रहते हैं।

(रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(iii) शीला फिल्म देखेगी या संगीत सुनेगी।

(रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

6. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार वाच्य–परिवर्तन करे लिखिए। 1X4=4

(i) वह फुटबॉल नहीं खेतला (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ii) बच्चे खेल रहे हैं। (भावाच्य में बदलिए)

(iii) सुनीता बिलियम्स द्वारा उद्घाटन किया गया (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(iv) बहुत से लोगों द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई (कर्तृवाच्य में बदलिए)

7. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए। 1X4=4

(i) कल मैंने लालकिला देखा

(ii) वह किसे पीट रही है?

(iii) मैं श्याम के लिए पुस्तक लाया।

(iv) मोहन ने विनय को खूब मारा।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1X4=4

(i) प्रस्तुत काव्य–पंक्तियों में कौन–सा रस निहित है?

''तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

मृतक में भी डाल देगी जान

धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात

छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात।''

(ii) रौद्र रस का स्थायी भाव क्या है?

(iii) जो वस्तु, व्यक्ति या परिस्थितियॉ स्थायी भाव को जाग्रत करती है, उन्हें क्या कहते हैं?

(iv) ''ऑखियॉ हरि दरसन की भूखी।

कैसे रहे रूप रस रॉची ए बतियॉ सुनि रूखी।।''

उपरोक्त काव्य–पंकित्यों में निहित रस बताइए।

खंड 'ग'

9. प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गॉव खेती में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रह हे।, कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी–भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर बैठी है। आसमान बादल से घिरा, धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही है। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर–तरंग झंकार–सी कर उठी। यह क्या है– यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी ऍगुली एक–एक धान के पौधे को, पंक्तिवद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक–एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है

और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर। बच्चे खेलते हुए झूम उठते है, मेड़ पर खड़ी औरतो के होंठ कॉप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं, रोपनी करने वालों की ॲगूलियॉ एक अजीव क्रम से चलने लगती है। बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू।

(i) गद्यांश में बालगोबिन भगत की किन विशेषताओं के बारे में बताया गया है?

2

(ii) बलगोबिन भगत अपने गले से मधुर स्वर लहरी निकालने के साथ–साथस कौन–सा काम कर रहे हैं?

1

(iii) लेखक ने बालगोबिन भगत के संगीत को क्या कहा है और क्यों? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए 2X5=10

(क) सेना में कोई संबंध नहीं हाने के बावजूद लोग चश्में वाले को 'कैप्टन' कहकर क्यों पुकराते थे?

(ख) नवाब साहब की किन गतिविधियों से लेखक को लगा कि वे उसमें कोई रूचि नहीं ले रहे हैं?

;9द्ध

(ग) फादर कामिल बुल्के पर दिए गए पाठ के शीर्षक की प्रासंगिकता स्पष्ट करें।

(घ) बालगोबिन भगत की दैनिक गतिविधियॉ देखकर लोगों को आश्चर्य क्यों होता था?

(ङ) बालगोबिन भगत अपने इकलौते पुत्र को बहुत मानते थे, फिर भी उसकी मृत्यु पर उन्होंने दुःख व्यक्त क्यों नहीं किया?

11. प्रस्तुत काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1X5=5

यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हॅसी उड़ाऊॅ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊॅ मै।
उज्ज्वल गाथा, कैसे गाऊॅ, मधुर चॉदनी रातों की।
अरे खिल–खिला कर हॅसते होने वाली उन बातों की।
मिला कहॉ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंग में आते–आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(क) कवि को कौन–सी बात विडंबना लगती है?

(ख) कवि सरल मन के सामने क्या नहीं दिखलाना चाहता है?

(ग) कवि को जीवन में क्या नहीं मिला?

(घ) कवि किस गाथा को नहीं गाने की बात कर रहा है?

(ङ) कवि के आलिंगन में आने से पहले ही कौन मुस्कुराकर भाग गया?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखित– 2X5=10

(क) कवि देव ने 'श्रीब्रजदूलह' विशेषण का प्रयोग किसके लिए किया है तथा वे किस प्रकार संसार रूपी मंदिर के दीपक है?

(ख) कवि के अनुसार, अभी आत्मकथा सुनाने का समय नहीं आया है, क्यो?

(ग) मासूम बच्चे की मोहक मुसकान और एक वयस्क व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?

(घ) कवि ने 'उत्साह' कविता में बादल के किन–किन अर्थों को स्पष्ट किया है?

(ङ) गोपियों ने उद्धव को व्यंग्यात्मक लहजे में 'भग्वान' क्यों कहा?

13. 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी में सरकारी कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति क्या है और क्यों? 5

14. किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निबंध लिखिए। 10

(i) वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ

संकेत बिंदु

- भूमिका या प्रस्तावना
- वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ
- वरिष्ठ नागरिकों की महत्ता
- निष्कर्ष

(ii) सच्चा मित्र

- संकेत बिंदु

- भूमिका
- सच्चे मित्र की परख
- सच्चे मित्र के कर्त्तव्य
- उपसंहार

(iii) बीता समय हाथ नहीं आता

संकेत बिंदु

- भूमिका
- समय का सदुपायोग
- स्ही समय पर सही कार्य
- उपसंहार

15. अपने मित्र को पत्र लिखकर उसे विद्यालय में आए हिन्दी के नए अध्यापक की विशेषताएँ बताइए। 5

16. निम्नलिखित गद्यांश का सार लेखर अपने शब्दों में कीजिए 5

भारतवर्ष एक धर्मपरायण देश रहा है। अतः धार्मिक संघर्ष की अनुगूँज उसमें किसी–न–किसी रूप में बरकार रही है। यह कहना अनुचित न होगा कि इस देश में धर्म के नाम पर जितना अधिक रक्त बहा है, उतना रक्तपात साम्राज्य विस्तर के लिए लड़े गए युद्धों में भी नहीं हुआ। अनेक सैनिक संघर्ष तो धर्म को ही केंद्र में रखकर हुए, जिन्हें एतिहासिक दस्तावेजों के अध्ययन एवं तत्कालीन काव्य कृतियों के सूक्ष्म निरीक्षण से जाना जा सकता है। रक्तपात की वह प्रवृत्ति युद्धों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि उसने प्शुबलि और नरबलि के रूपा में धार्मिक क्षेत्रों मं भी प्रवेश किया। भारत की धरती ने समय–समय पर महापुरूषों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने सत्प्रयासों से तदयुगीन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयत्न किया। धार्मिक दृष्टि से अवतारों की कल्पना का मूल ोत यही है। महात्मा बुद्ध का उदय ऐतिहासिक श्रृंखला की अगली कड़ी के रूप में हुआ था, जिससे न केवल भारतवर्ष, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय जगत की भी मानवीय चेतना प्रभावित हुई।

अंक योजना

सत्र– 2015–16

कक्षा– 10

विषय – हिन्दी पूर्णांक–90

1. 1 (ख) सपने 1X5=5

2 (क) हमेशा ही जोखिम झेलना

3 (घ) जिन्दगी की चुनौती को स्वीकार नहीं करने वालों को

4 (ख) साहसी मनुष्य

5 (घ) ई

2. 1 (ग) स्वयं की प्रति पूर्ण ईमानदारी 1X5=5

2 (क) समन्वय

3 (ग) कलाकार के लिए

4 (घ) रस

5 (क) रस + अनुभूति

3. 1 (क) सामर्थ्यवान व्यक्ति को 1X5=5

2 (ख) तीन दिनों तक

3 (ग) शर में

4 (घ) तीर

5 (क) सामथ्य एवंशक्ति रखने वाले को ही विनम्रता शोभा देती है।

4. 1 (ग) बचपन की 1X5=5

2 (ख) अतुलित आनंद

3 (घ) ऊँच–नीच का भेद

4 (ख) अमृत

5 (क) बच्चों के दूध पीनेएवं अँगूठा चूसनेकी प्रवृति

5. 1 पिताजी ने मुझे पढ़ाया और सेना में भर्ती कराया 1X3=3

2 मिश्र वाक्य

3 संयुक्त वाक्य

6. 1 उससे फुटबॉल नहीं खेली जाती। 1X4=4

2 बच्चों से खेला हा रहा है।

3 सुनीता विलियम्स ने उद्घाटन किया

4 बहुत–से लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की।

7. 1 लालकिला व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक। 1X4=4

2 किसे प्रश्नवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग या स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक।

3 पुस्तक जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

4 मारा सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

8. 1 वात्सल्य रस 2 क्रोध 1X4=4

3 विभाव 4 श्रृंगार (विचयोग) रस

9. 1 पस्मतुत गद्यांश में बादलगोबिन भगत की इस विशेषता के बारे में बताया 5
गया है कि बालगोबिन भगत एक ओर तो अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करते हुए खेती कर रहे हैं और दूसरी ओर अपनी संगीत–साधना भी कर रहे हैं।

2 बालगोबिन भगत अपने गले से मधुर स्वर लहरी निकालने के साथ–साथ अपने खेतों में धान की रोपाई का काम भी कर रहे हैं।

(iv) लेखक ने बालगोबिन भगत के संगीत को जादू कहा है क्योंकि उनके सीत का प्रभाव समूचे वातावरण पर पड़ रहा है। उनका संगीत सुनकर बच्चे झूमने लगते हैं, मेड़ पर खड़ी औरतें गुनगुनाने लगती हैं,

हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं और धान के पौधों की रोपनी करने वालों की अॅगुलियॉ एक अजीव क्रम से चलने लगती है।

(14)

10. (क) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें। 2X5=10

(ख) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(ग) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(घ) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(ङ) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

11. (क) कवि को यह बात विडंबनापूर्ण लगती है कि वह सरल मन की हॅसी उड़ाए। 1X5=5

(ख) कवि सरल मन के सामने दुनिया से मिले धोखे नहीं दिखलाना चाहता है।

(ग) कवि को जीवन में वह सुख नहीं मिला, जिसका उसने स्वप्न देख था, क्योंकि उसे पाने से पहले ही वह उससे दूर हो गया।

(घ) कवित उस गाथा को नहीं सुनाने की बात कर रहा है, जिसमें मधुर चॉदनी रातों में हॅसते–खिलखिलाते हुए बातें होती थी।

(ङ) कवि ने आलिंगन में अपने से पहले ह ीवह सुख मुस्कुराकर भाग गया, जिसका उसने स्वप्न देखा था।

12. (क) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें। 2X5=10

(ख) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(ग) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(घ) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(ङ) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

13. (क) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें। 5

(ख) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(ग) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(घ) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

(ङ) विघार्थी अपने मतानुसार उत्तर लिखें।

14. विषय के प्रतिपादन में सामयिक संदर्भों के आकलन, मौलिक विचारशीलता और भाषा सामथर्य का विवेकानुसार मूल्यांकन। 5

15. पत्र–प्रारूप और विषय उपस्थापन, भाषा की सफाई/शुद्धता। 5

16. धार्मिक संघर्ष एवं बुद्ध की मानवीय चेतना भारत में सदैव धार्मिक संघर्ष होते रहे हैं। यहॉ साम्राज्य विस्तार हेतु युद्धों से कहीं अधिक धार्मिक रक्तपात हुआ है। धर्म हेतु अनेक सैनिक संघर्ष हुए हैं। ऐतिहासिक दस्तावेज एवं तत्कालीन साहित्य इसके साक्षी हैं। इसके अतिरिक्त पशुबलि एवं नरबलि सदृश धार्मिक हिंसाए भी हुई हैं। समय–समय पर महापुरूषों ने सामाजिक कुरीतियों के निवारणार्थ महत्वपूर्ण प्रयत्न किए। इनमें महात्मा बुद्ध ने भारत के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीय चेतना को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। 5

(16)

प्राप्तांको के प्रश्नानुसार त्रुटि विश्लेषण

सत्र– 2015–16

नम ..... कक्षा ..... क्रमांक .....

प्रकरण	प्रश्न संख्या	पूर्णांक	प्राप्तांक
अपठित गद्यांश	1	5	
	2	5	
अपठित गद्यांश	3	5	
	4	5	
वाक्य भेद	5	3	
अर्थ **वाच्य**	6	4	
पद परिचय	7	4	
रस	8	4	
पठित गद्यांश	9	5	
क्षितिज गद्य प्रश्न	10	10	
पठित पद्यांश	11	5	
क्षितिज गद्य प्रश्न	12	10	
कृतिका	13	5	
निबंध	14	10	
पत्र	15	5	
सरल लेखन	16	5	
		90	

ब्लू प्रिन्ट प्रश्नपत्र का प्रारूप
केन्द्रीय विधान संगठन पटना संभाग
संकलित मुल्यांकन–[illegible]
सत्र 2015–16

विषय– हिन्दी कक्षा– दसम् पूर्णांक–90

क्र0 सं0	विषय–वस्तु	उपभार	कुल भार
1	पठन कौशल गद्यांश एवं काव्यांश पर शीर्षक का चुनाव विषय–वस्तु का बोध, भाषिक विंदु संरचना आदि का बहुविकल्पी प्रश्न (क) दो अपठित गद्यांश (ख) दो अपठित काव्यांश	10 10	20
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषय– वाक्य, वाच्य, पद परिचय, रस।	15	15
3	पाठ्य–पुस्तक क्षितिज भाग–दो पुस्तक पाठ्यपुस्तक भाग दो। (क) गद्य खंड बाल गोबिन भगत 1. क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय–वस्तु का बोध, मासिक विंदु संरचना आदि पर प्रश्न काव्य खंड– सूरदास, सैवया, कतव, मुस्कान , 2. काव्य बोध व काव्य पर स्वयं की सोच–परख करने हेतु 3. पूरग पुस्तक कृतिका पर निर्धारित पाठो पर आधारित एक मूल्यपरक प्रशन। जाज पचम की नाक।	5 10 10 5 5	35
4.	(क) विभिन्न विषयों और संदभों पर विद्यार्थियों के विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यवहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर निबंध। (ख) अभिव्यक्ति की खमता पर केन्द्रित औपचारिक अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र	10 5	20

	(ग) प्रतिवेदन तैयार करना।	5	

एस0 कनौजिया

टी0जी0टी0

के0वी0 नं0–1

कंकड़बाग